

श्रीमान,

आर मिह,
डा. गानेश,
उत्तरांचल शासन ।

प्रति मे,

सहायक,
निर्माण मन्त्रालय एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल देहरादून ।

विषय: अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक : 17 फरवरी, 2006

विषय: राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय पक्की खमरिया जनपद ऊधमसिंह नगर की बाढण्डी वाल के निर्माण के संबंध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-776/1/बड़े चिकि०/27/2003/28219 दिनांक 13.12.2005 के संदर्भ में मुझे पता चलने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय पक्की खमरिया जनपद उत्तरांचल नगर की बाढण्डी वाल के निर्माण हेतु संलग्नानुसार कुल रु० 5,55,000.00 (रु० पांच लाख पचपन्न हजार मात्र) की लागत पर प्रस्तावित एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में कुल रु० 5,55,000.00 (रु० पांच लाख पचपन्न हजार मात्र) की धनराशि के अर्थ को सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

1- एकमुष्ट प्राविधिकों को कार्य में पूर्ण विसृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारों से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी
2- कार्य करते समय सौ० नि० विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर निगरानी रखा जाये । कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा ।

3- भूमि उपलब्ध होने के पश्चात ही धनराशि तत्काल आवंटित की जायेगी तत्पश्चात निर्माण इकाई क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तरांचल मन्त्रालय निर्माण विभाग नि० को उपलब्ध कराये जायेगी । स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में प्रगति रिपोर्ट में भीतर सुनिश्चित किया जायेगा ।

4- नीचीलि एजेंसी के आवरण में संबंधित बाढण्डी संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय दस्तावेजों में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा सेशन द्वारा समय-समय पर निरीक्षण के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

5- आगमन में उल्लिखित दरी कर विशेषज्ञ विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरी में जो शिर्दगुल और रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाढण्डी भाव से भी ली गयी हो, को स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता की अनुमोदन आवश्यक होगा ।

6- कार्य करते में पूर्ण विसृत आगमन / धनचित्र वित्त कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारों से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, किन्तु प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय ।

7- कार्य पर उत्तर हो व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है । स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।

8- कार्य करते में पूर्ण समस्त औपचारिकताएं दकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदान दरी / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करते समय ध्यान करना सुनिश्चित करें ।

9- कार्य करते में पूर्ण स्थल का भूत-भूमि निरीक्षण, उच्चधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें । निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाये ।

10. आगमन में जिन मरों हेतु जो राशि स्वोक्त की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी में व्यय कदापि न किया जाय । निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ला जाय, उपर्युक्त प्राप्ति जाने चाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए ।

12. रवीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दश में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी । यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है ।

12. निर्माण के समय यदि किसी कारण वश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दश में शीघ्रता से पूर्ण रवीकृत आवश्यक होंगे ।

13. निर्माण कार्य से पूर्व नौव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नौव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय ।

14. उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े ।

15. वर्ष 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर गृहोपग्रह परिसर, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवाएँ-आयोजन, 110-अस्पताल तथा औषधालय, 17-अनावासीय जनता से गुप्त राष्ट्रीय अनुदान विस्तारीकरण तथा निर्माण, 24-गृह निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

16. यह आदेश निम्न विभाग के अन्तर्गत सं-847 /निर्माण (व्यय निर्वहन) अनुभाग-3/2006 दिनांक 16.02.2006 में प्राप्त सहायता में जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक यथोक्तः

भवदीय,

(अतर सिंह)

उप सचिव

सं. 216(1)/XXV/11-4-2005-01/2006 गृहनिर्माण

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रधानमन्त्री, उत्तरांचल, राजपुर देहरादून ।
2. निदेशक, योजनाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
3. कोषाधिकारी, अधिमंडल नगर ।
4. निदेशाधिकारी, अधिमंडल नगर ।
5. मुख्य चिकित्साधिकारी, अधिमंडल नगर ।
6. सहायक धनसूचक, 2050 समूह कल्याण निर्माण निगम, उत्तरांचल, एनडी (नैनीताल)
7. निजी एंजिनर गौरी प्रकाश ।
8. नगर राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून ।
9. निदेशाध्यक्ष (निर्माण) अनुभाग-3/ नियोजन विभाग / एनडी0सी0 ।
10. माई फाईल ।

आज्ञा के,

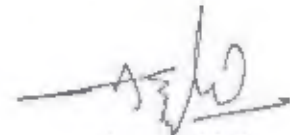
(अतर सिंह)

उप सचिव

(धनराशि लाख रु० में)

क्र.सं.	कार्य का नाम	निर्माण इकाई	लागत	वर्ष 2005-06 में स्वीकृत धनराशि
1	राजकीय एल्युमेंट्रीयन चिकित्सालय गङ्गाकी खमरिया जनपद ऊधमसिंह नगर की बाउण्ड्री वाल का निर्माण	सडकडनिड	5.55	5.55
		योग	5.55	5.55

(रु० पांच लाख पच्चपन हजार मात्र)



(अनर सिंघ)

उप सचिव